VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन घंटे**
Time Allowed: ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
Maximum Marks: ***250***

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 00709839

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : MANSI SINGH

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

August 25, 2024

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
GENERAL STUDIES (Paper IV)

केंद्र
Centre

029
NAGPUR

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

	महत्वपूर्ण अनुदेश **उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।**	**Important Instructions** **Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.**
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.

VISION IAS

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)	

प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)					

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)

निर्धारित समय: **तीन** घंटे Time Allowed: **Three** Hours	अधिकतम अंक: **250** Maximum Marks: **250**

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बारह** प्रश्न हैं जो दो **खण्डों** में विभाजित हैं तथा **हिंदी** और **अंग्रेजी** दोनों में छपे हुए हैं।*

***सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।*

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

***All** questions are compulsory.*

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Keep the word limit indicated in the questions in mind.

Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

VISION IAS

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The debate of end v/s means is centuries old and follows an ethical reasoning.

End cannot justify means

① As per Kantian philosophy, ends are based on means and this means should follow the categorical imperatives.

eg If theft is done to gain material wealth, it is unethical

② Gandhian philosophy also calls for right means to get right ends.

eg Gandhiji called back Non-cooperation movement due to violence

VisionIAS

in chauri-chaura incident.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ Seven Sin principle also explains virtuousness of right over means

Eg Commerce without morality leads to crony capitalism.

④ Means needs to be ethical for ends to be ethical.

Eg Cheating in examination may provide good result, but its unethical.

Yet, sometimes wrong means are also justifiable for right ends.

① As per utilitarian principle, its is "greatest happiness for greatest number.

Eg Violence for freedom struggle.

② Sometimes, ends are based on circumstantial ethics.

Eg Murder due to self defence.

However, means should be ethical as far as possible for ethical ends.

VisionIAS

1. (b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Ethics is "set of standards" to determine human conduct from point of right and wrong while laws are "legal norms" legislated by authority

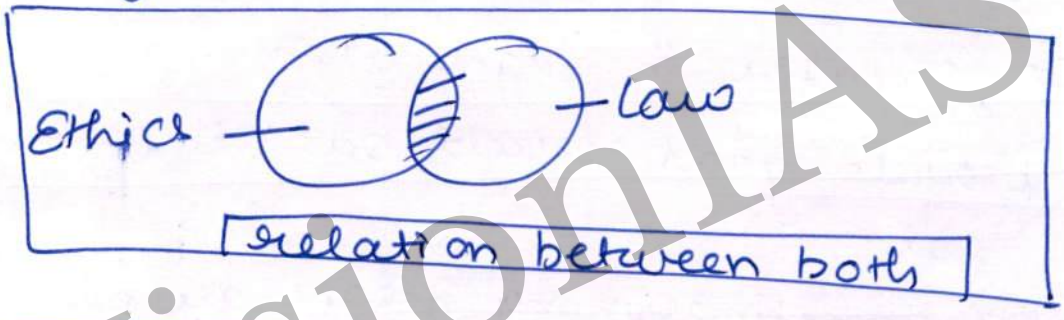

Dynamic Nature and shaped by Societal Change

(1) As change is the only constant thing thus the relation between two is dynamic.

Eg Sati was ethical at some point of history but with societal change law changed and abolished Sati.

VisionIAS

② Law brings changes and impact ethics.
Tcq ⟶ Nautej Johar Case decriminalised section 377 and changed ethical outlook towards homosexuality.

③ Women rights got evolved with change in societal norms.

Patriachal norms changed ⟶ [Right to succession] ⟶ law changed
⟶ ethical outlook towards female rights changed.

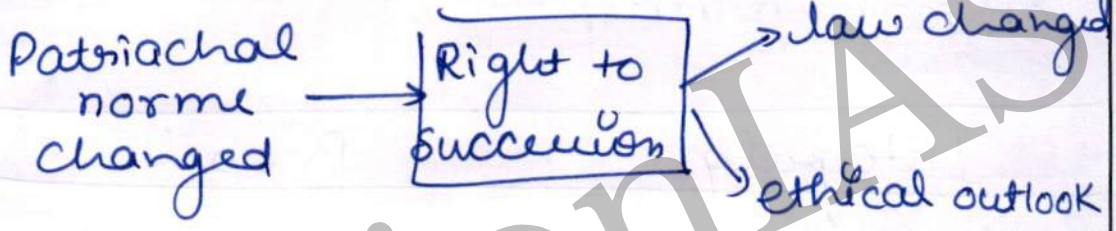

④ Spatial differences: as law and ethics depends on society.

for instance: abortion is illegal for muslims religiously but same is allowed in Parsi community

As [Andre Betille] said, it is law that determines direction of change but it is socital norms that determine pace of change.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Integrity is honesty in all situation ie. coherence in thought, speech and action while probity is unwavering adherence to ethical principles.

Integrity	Probity
- situational and may changes with times.	- it is strict adhrence to ethical principles
~~eg~~ When Yudisthir told Ashwathama ~~about~~ deaths, he was not following probity.	when Yudhisthir told about Ashwasthama death, he focused on integrity but lacked probity
- it is relative in nature (Ethical relativity)	- it is absolute in nature (Ethical absolutism).

VisionIAS

Role of these values in ethical governance and decision making

① Brings transparency in governance
Eg Project Nidan by Rohit Singh

② foster compassionate governance
Eg Cafe Able by Sandip Nanduri, IAS

③ creates public trust in governance
Eg Road Construction by Armstrong Pame.

④ brings consensus-oriented decision making and promotes democratic bureaucracy.

⑤ breeds "innovation" in governance.
Eg e-Mart by IAS Manjunath for tribal products.

⑥ Reduces corruption cases Eg Debo Na, Nebo Na campaign.

As Gandhiji said, these values helps in achieving goals of "Sarve Bhavantu Sukhina"

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As said by Supreme Court in Swapnil Tripathi case, sunlight is the best disinfectant and information is this sunlight for governance.

Ethical implications of withholding information

A) Against Constitutional Ethos as Right to information is a constitutional right.

B) Against "Nolan Principle" which includes objectivity and honesty for information sharing.

C) Against "Social Contract Theory" as citizens have right to know.

d) Not as per virtue based ethics which calls for knowledge.

VisionIAS

e) breeds corruption and leads to loss of public trust.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Role of Transparency in accountability and reducing Corruption

(1) Creates aware citizenry that taps the actions of officials,

(2) promotes participatory governance
Eg Citizen Charter ensures accountability.

(3) Ensures reduction of corruption
Eg Social auditing unearthed corruption case in Karnataka

(4) Creates public trust: and promotes accountability Eg role of CVC in exposing corruption.

(5) Transparency acts as deterrance for illegal and unethical practices Eg Role of RTI in ensuring accountability.

Thus, by transparency, principle of Yogkshema (welfare of all) can be ensured.

VisionIAS

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Through this quote, Mahatama Gandhi has highlighted the importance of family as first agent of attitude formation in children.

It is said that "home" is a place where children learns ethical conduct and values that are inculcated here remains for larger period of time.

For instance, family that inculcates hardwork, honesty, integrity at tender age, these values shape future of children as highlighted by [Sudha Murthy] that she used to read bedtime story to her kids.

VisionIAS

Similarly, this was explained by Robert Putman in his "Bowling Alone" that families in which divorce and separation is going on, children are more prone to drugs and illegal activities.

As it is said 'family is not something, it is every-thing" as it is first social institution for a children and this shapes future of nation. eg Community services taught in Japan by parents.

However, if wrong values are inculcated here, future of nation is doomed as it breeds corruption, drugs and other illegal activities.

As Abdul Kalam said, "If you want to bring change, you need a father, a mother and a teacher".

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Leo Tolstoy is a stalwart in field of philosophy. Through this quote he highlighted need of "introspection" and "self-improvement".

In words of Kabir das

"Bura Jo Dekhan mai gaya,
Bura Na mileya koi,
Jo mai dekha aapnu
Mose Bura Na Koi"

This means that if you keep searching for bad in others you may not find but need is to look inward to bring change.

Changing oneself may be the most difficult task as it needs critical review and involves

VisionIAS

time taking procedure but it helps in society improvement at large scale.

for instance, small step of not littering waste on road may seem tidious at first but when all start doing it, goal of Swach Bharat can be achieved.

At national level, people keep criticising for regional inequality and reduces one's responsibility but what is needed is self-development as shown in Atmanirbhar Bharat.

In bureaucracy, one may not prevent complete culture of corruption but one can promise that she/he will not indulged in it as shown by Durga Shakti Nagpal.

As Gandhiji said, "Be the change you want to see in the world".

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Confucius through this quote has highlighted the issue of "Moral muteness" shown by people at time of moral crisis.

In Mahabharat, Dronacharya and Dhritrashtra were equally culprit as Duryodhan for "Chir-haran" of Draupadi. as they remained silent even at time of need.

But in Ramayan, Bhibhisham showed courage and stood up against Ravana by supporting Lord Rama.

Similary, at societal level, people remained silent when they

VisionIAS

see normal instances of eve-teasing due to lack of courage and later show grief when incidents like Kolkata rape case happen.

As far as bureaucracy is concerned, there is need to step up against unethical practices and take action against it. Dalia Jalao Campaign of Amit Gupta bears testimony to it.

At international level, earlier smaller nations were unable to stoop up against expansionism of China but now many countries are joining India-led "India-Middle East Europe Economic corridor" against debt trap BRI of China.

Thus, our ethical thoughts should lead to ethical conduct for achieving goal of "Stithprigya" as said by Lord Krishna,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Attitude is learned, enduring predisposition towards a social object.

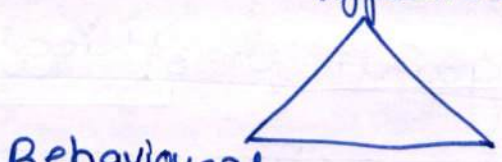

Components

Factors for positive attitude

A) Role of family: As highlighted by role of 'Jijabai' in shaping attitude of Shivaji.

B) Role Models: can create positive attitude.

Eg Abdul Kalam's "Rise, Awake, and Stop not until goal is reached" inculcate attitude of hard work.

C) Role of Religion: Eg Zakāt in Islam promotes compassionate attitude.

VisionIAS

d) Role of Social Media: as it has butterfly impact on attitude of person Eg attitude of calmness from Cool Captain Dhoni.

e) Tolerance attitude from leaders like Ashoka, Akbar.

Role of positive attitude in enhancing effectiveness of civil servants

---

A) Emotional Intelligence: can be applied in tough situation

Eg SDM Shikha gave public car to transfer road accident victims to hospital.

B) Better utilisation of resources

Eg. role of Ashish Singh in garbage management in Indore,

c) changes weberian bureaucracy to compassionate bureaucracy.

d) focuses on "public service" in true sense Eg DM of Kota during COVID-19.

As Abdul Kalam said, "During rain bird finds shelter but eagle flies above cloud". Attitude Matter!

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin.

VisionIAS

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As per Daniel Golemann, Emotional Intelligence is understanding one's emotion as well as of others and manage it for larger good.

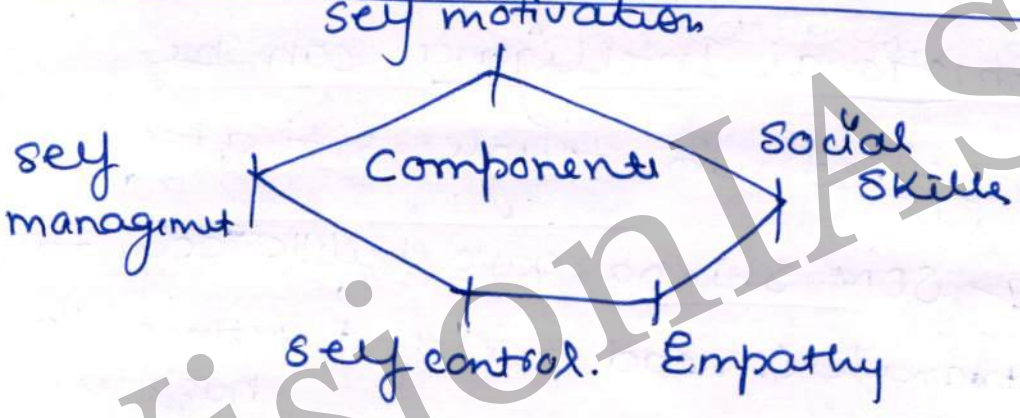

Role of Emotional Intelligence in ethical decision-making in allocation of public resources.

① follow Gandhian Talisman while allocating public resources, eg - reduce inclusion and exclusion error by digitisation.

② helps in following constitutional

VisionIAS

principle of Article 39 (prevention of concentration of wealth).

③ Empathetic attitude towards down trodden section of society

eg. IAS Unningaman started online health service facily for tribal population.

④ Brings Innovation in allocation

eg. IAS Shashank Ala: started Backdoor garden in every school in Mizoram to counter malnutrition.

⑤ Helps in understanding other's views and managing it.

eg IAS eating food cooked by SC women helped in attitude change.

Thus, emotional Intelligence can result in "Comprehensive governance" keeping care of all stakeholders.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The recent Israel-Hamas, Russia-Ukraine war highlights ruling conflict zone in world.

Ethical challenges faced by humanitarian organisations

(1) Resource Crunch: as mainly are working on 'donation' based principle.

(2) Geographical tensions: for example organisation based in USA, should it provide aid to Russia?

(3) Issue of international support from UN, FAO etc.

(4) Ethical dilemma of 'Just war' as to which party should be provided aid and to what extent.

VisionIAS

⑤ Loss of life and aid in conflict zone as seen during Israel-Hamas conflict.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Principles guiding International humanitarian work

① Compassion should be guiding light as Mother Teresa said, "You are none, if you are for none"

② Principle of equity and equality should be provided.

③ follow guideline of "Geneva convention" for humanitarian work.

④ work with "Peace-Keeping forces" to remove fear of loss of life during serving conflict zone.

⑤ Virtue based ethics as propogated by Socrate should be applied.

⑥ International cooperation through UN, WFP, FAO should be there.

By this, principle of "SOMMUM BONUM" can be achieved in humanitarian work.

VisionIAS

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Persuasion is a process of changing attitude towards social object through democratic means ie. without forcing.

Eg Role of Vinoba Bhave in Gramdan and Bhoodan Movement.

Important skill for civil servants

1. Brings attitudinal change
   - Eg Wearing mask during COVID-19
2. Helps in Nudge Behaviour
   - Eg Swachh Bharat Abhiyan
3. Impacts large population at same time
   - Eg Polio awareness campaign.
4. helps in "social-liking" towards object.
   - Eg NO to open defecation.
5. Brings Social changes.

VISION IAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Key considerations that should guide persuasion

① Knowledge level of population
eg. If illiterate than through Nukkad Natak

② How persuasion is done
ie. medium should be as per social liking of persons.

③ Role of Influencers can be utilised
Eg Vidya Balan for No open defecation

④ Corporate Social Responsibility can be utilised.
Eg Jaago Re campaign of Tata group.

⑤ Forewarning: If already is there, then utilise religious leaders to persuade people.

Thus, through persuasion, attitude can be changed for utilisation in governance. Focus should be on "Minimum government, Maximum governance"

VisionIAS

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

As per Gunnar Myrdal in "Asian Drama", "Corruption in South Asia has wings". This was highlighted by rank of 93 in Corruption Perception Index

Role of Ethical Leadership

1. Live by example
   eg. Lal Bahadur Shashtri resigned as Minister of Railways.
2. promote "Culture of Transparency"
   eg IAS announcing personal wealth.
3. Removes "Culture of Impunity"
   eg. Debo Na, Nebo Na campaign.
4. Set "Environment of Honesty"
   eg. Ashok Khemka,

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⑤ Non-compromising spirit.
eg Satyendra Dubey exposed corruption in NHAI

⑥ promoting "accountability"
eg Meghalaya Social Audit law.

⑦ address "RTI" seriously and provide information genuinely.

Way to provide ethical leadership

① All India Civil Service Conduct Rules.
② Civil Services Conduct Rules.
③ Training in emotional intelligence for creating ethical leadership.

This will help in reduction of corruption in India and promotion of Ethical governance as highlighted by ARC-II (Probity in Governance).

VisionIAS

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Swami Dayanand Saraswati was stalwart social reformer who played major role in addressing social issue.

Teachings and relevance

① Indian Renaissance as "Go back to Vedas"	-necessary to become Vishwa guru -helps in addressing caste based issues like untouchability
② Through "Arya Samaj", he propogated equality.	As per oxfam report, top 1% of india has 40% of income. -This will help in reducing inequality.
③ Education based on ethics	-Needed as 'rat-race competion", goal-oriented education.

VisionIAS

④ Peace and harmony	- need to address global conflicts like Bangladesh crisis, Mayanmar issue
⑤ Gender equality	- Now 37% female labour force participation rate and facing sexual violence cases. Thus, his teachings are needed
⑥ focus on self reliance	- as needed in "Make in India" and "Atma - nirbhar Bharat
⑦ focus on cooperation with all.	→ needed to counter regionalism, communal -ism and ethnic conflict eg Manipur conflict.
⑧ Dharma as guiding principal	- As now consumerism is shaping population view.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Thus, teachings of Dayanand Saraswati holds water even in 21st centuries.

VisionIAS

7. मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

VisionIAS

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This case highlights the cases of sexual harassment faced by women at workplace despite Vishakha guidelines that provide for safe and secure enviornment for women.

STAKEHOLDERS - Mariam
→ Karan
→ Company work culture
→ work culture in general
→ society, at large.

Ans.(a)
Ethical dilemma faced by Karan

① Women Safety at workplace v/s organisational values as this may tarnish image of company.

② fear of loss of job of Mariam v/s atrocity against her

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) Moral Muteness v/s Action-oriented outlook.

(4) friendship values v/s fear of loss of friend's career.

(5) Ethical fadism: as Mariam is not considering her own well beign due to short term goal of job-security and family dependency

(6) Pragmatism v/s virtue based ethics.

Ans. (b) Options available to Karan

(A) File the POSH complaint without telling Mariam

Advantage	Demerits
- As per categorical imperative of Kant (means are right)	- Mariam may lose job and future career.
- Maryam will not face any harassment	→ her family is dependent on her, they would suffer.
- organisational culture maintained	

VisionIAS

(B) Do nothing, maintain status quo

Demerits	Merits
→ organisational work culture will impacted	→ she will keep her job and future career.
→ Maryam will face harassment at work	→ organisation name will not be tarnished.

(C) Motivate Mariam to file complaint by use of persuasion skill

Merits	Demerits
- She will stand for herself	- loss of job and career.
- organisational work culture could be improved.	- impact her family

---

He should select option-C as this will not only save her from harassment but also empower her for standing against wrong.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

Ans-(c)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Responsibilites of organisation in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive environment

(1) Strict following of Vishakha Guidelines and enactment of POSH, Act in organisation

(2) Anonymous Box Complaint can be installed so that girl like Mariam can file complain without fear.

(3) Work Culture should be gender inclusive with focus on safety of women.

(4) Gender sensitive training to reduce such cases.

(5) Active role of Internal Complaint Committee by engaging with women.

Thus as said in Geeta, "the darkest place in hell is reserved for those who remain neutral at time of moral crisis".

VisionIAS

8. जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

VisionIAS

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This case highlights the issue of political patronage in job-recommendation and misuse of office of power for personal gain.

Ans (a) Options available to Jay

(I) Let the procurement go as recommended by higher authorities.

Demerits	Merits
- against meritocracy as well deserving candidates not selected.	- Ethical egoism as his self-interest like job security maintained.
- against virtue base ethics [Justice]	- good political relations
- breeds culture of impunity	- favourable for politicians.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(II) halt the procurement process.

Demerits	Merits
- loss of political support - may face tranfer and corruption charges	- Ethical conduct as promotes meritocracy. → in favour of virtue based ethics - satisfy social contract

(III) Step-based options

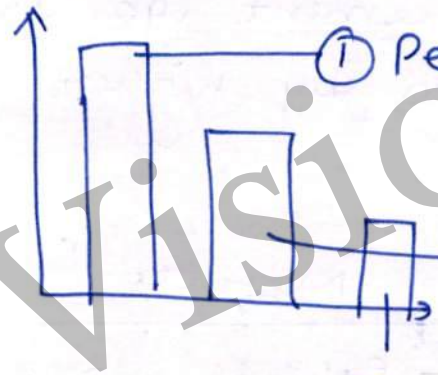

① Persuade politicians to remove this as this may bring negative populism in elections

② form 'enquiry committee' in 7 days to determine claims of selected candidate.

③ Whistle blowing

- at last step using media or social media.

VisionIAS

Ans (b). Jay should select option- c because

(1) It satisfy his crisis of conscience as doing nothing create cognitive disonance.

(2) Led by Example: As done by idols like Ashok Khemka, IAS

(3) Professional Ethics: maintaining meritocracy and transparent recruitment comes above personal benefits like job-security.

(4) Ethical in nature: As it follows virtue based ethics.

(5) Trust-based governance: By this public trust can be maintained in public office.

(6) follow organisation ethics: create atmosphere where public services come first than political patronage.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(f) blocks unholy nexus of politician and bureaucrats.

Ans-(c) The civil servants can be better protected by –

(I) Transfer should be done on basis of selection committee

(II) form "Civil Service Authority" for dealing with transfers and corruption case against civil servant (Hota Committee)

(III) formulate "Ethical Standard" by establishing "Civil Servant Ethical Committee"

(IV) provide more protection under article 311 of constitution.

(V) fix 'guarantee of tenure security' so they can be worked ethically.

Thus, ethical conducts and moral guidance should form bedrock for ethical governance.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

This case highlights the typical dilemma of environment v/s development.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

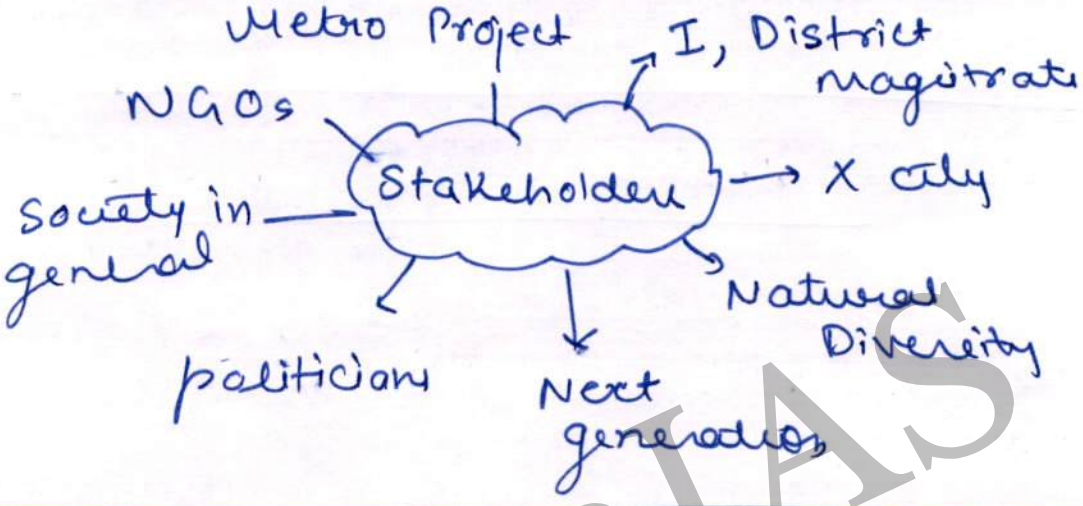

a) Ethical dilemma involved in above case study

① Environment protection v/s development of metro project.

② political pressure v/s self-based ethics.

③ Short term goal (development) v/s long term harm (environ-mental loss)

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

④ Utilitarian principle [maximum benefit to city-X by development] V/s virtue based ethics [against wisdom of conservation]

⑤ against Sustainable development principle as promoted by UN FCCC.

⑥ Environmental Ethics V/s Developmental ethics.

(b) options available to me.

(I) let the project continue without change

merits	demerits
- developmental project will continue → reduce traffic congestion, travel time → boost to economy of City-X.	- against constitutional principle to right to healthy env. - loss of biodiversity - against enviormental ethics.

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(II) Halt the project

Demerits	Merits
- halt development of area. - reduce economic growth.	→ Environmental ethics → in favour of conservation of environment

(III) Step-by step approach.

(I) Carry out baseline survey to find impact of project

↓

(II) conduct environment Impact Assessment

↓

(III) based on result and alternative solutions conduct public hearing

|

If maximum loss → find alternate route + CAMPA of other area.

If minimum loss → continue project + afforestation at other area

VisionIAS

why option-©

↳ win-win for all.
↳ in line of sustainable deve-lopment.
↳ minimum loss of environment and development project
↳ consensus oriented.

Ans.-© Measures to balance urban development and enviornment

① Environment Impact Assessment should be conducted.

② Decision should be consensus oriented with public hearing.

③ Also conduct, social impact assessment

④ Environmental ethics should be followed,

⑤ guidelines of sustainable development should be guiding conductor.

with this "Prakriti Rakshita Rakshita" could be ensured.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin
VisionIAS

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

VisionIAS

India is Known as "Pharmacy of the world" due to its long culture of drug that are efficient and cheaper. This case highlight dilemma faced during drug release based on short term benefit v/s long term side effect.

Ans. (a)

STAKEHOLDERS
- D.r Mehra, Senior Drug Developer.
- Company producing drug
- population consuming drug
- environmental impact.
- Board members
- government guidelines
- society, in general
- Next generations

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(b) Ethical Issues faced by Dr. Mehra

a) Organisational ethics V/s societal benefit

b) Short term V/s long term harm.

c) Utilitarianism as drug is for life threatening disease V/s value based ethic (even one life matters)

d) Categorical Imperative (means is not right) V/s Utilitarian (maximum profit)

e) Capitalism (profit oriented) V/s Social good (societal benefit).

Ans. (c) options available to Dr. Mehta.

(I) Let drug be released in market

Merit	Demerit
- it will treat	- long term side effect

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

life threatening disease.	- ethical fadism
- as per Utilitarian ethics.	as long term effects are not considered

(II) Halt the drug-release

Demerits	Merits
- loss of life due to lack of drug	- long term solution can be found.
- loss to company profit.	→ complete safety can be ensured

(III) Step based Solution.

① talk to scientific community about long term effect.

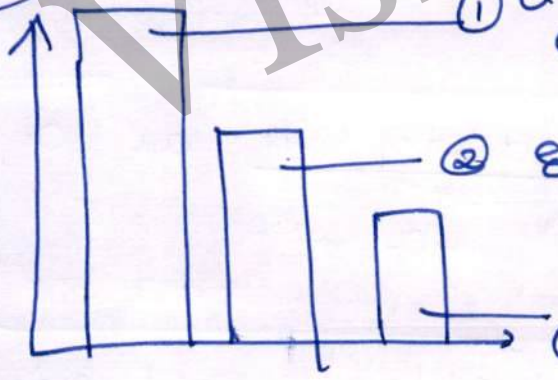

② Explain board of director and ask for more trials.

③ In time being, try to reduce long-term side effects

④ As it is life threatening disorder prevention drug, it needs to be released with proper awareness campaign. as last option.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

Dr Mehra Should select option - c because -

a) It will reduce his crisis of conscience as he would be working hard to reduce long term side effects.

b) win-win Situation for all.

c) Satisfy Compassionate Capitalism as drug if release, should be with proper awareness.

d) Time for course correction would help in long term solution.

e) ensures "Right to life" as a constitutional value.

This will help in achieving "Vaidya Parmo Dharma" goal.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

VisionIAS

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This case highlights the issue of inappropriate work culture with minimum goal-oriented outlook but racing for credit realisation.

Ans-(a) Ethical issues involved

(I) Culture of Impunity due to lack of enthusiasm.

(II) Rule based Bureaucracy: not focusing on new ideas,

VisionIAS

innovations and project.

(III) Rigid hierarchial issue: as governmental seniors taking credit for others.

(IV) Matsyanyay: Big fish eating small ~~large~~ fish as shown in case studies.

(V) Demotivational work culture which is lethargic for even those who wants to work.

(VI) against gandhian philosophy of Trusteeship

(VII) Lack of leadership among senior.

(VIII) Ethical Corruption as shown by superior.

(IX) Moral Muteness: as other don't highlight ethical corruption of superior.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(b) Demotivational work culture affect morale and productivity by -

(1) Discouraging innovations and hard-work in department.

(2) Breeds "Chalta hai attitude"

(3) Rat-race for "Credit" discourages others.

(4) Disrupts work-culture of the organisation.

(5) Breeds "Culture of lethargy" and promotes casual approach.

(6) Rigid hierarchy leads to disruption of talent.

Ans. (c) options available to me -

(I) Remain silent as project would be continued and public service can be ensured.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

(II) disrupt the meeting and tell the Chief secretary that it was your idea.

(III) tackle the issue in step wise solution (my way)

(A) First talk to senior that it was your project and s/he should give you credit.

(B) Develop "Culture of Transparency" in organisation to prevent such incident from failure.

(C) If senior didn't give credit, its fine as civil servants are not working for credit, the main aim is public service through any means.

(D) from next time, I would not stop doing hard work but would be cautious in sharing the information.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

VisionIAS

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

This case highlights issue with Environmental Impact Assessment caused due to political patronage

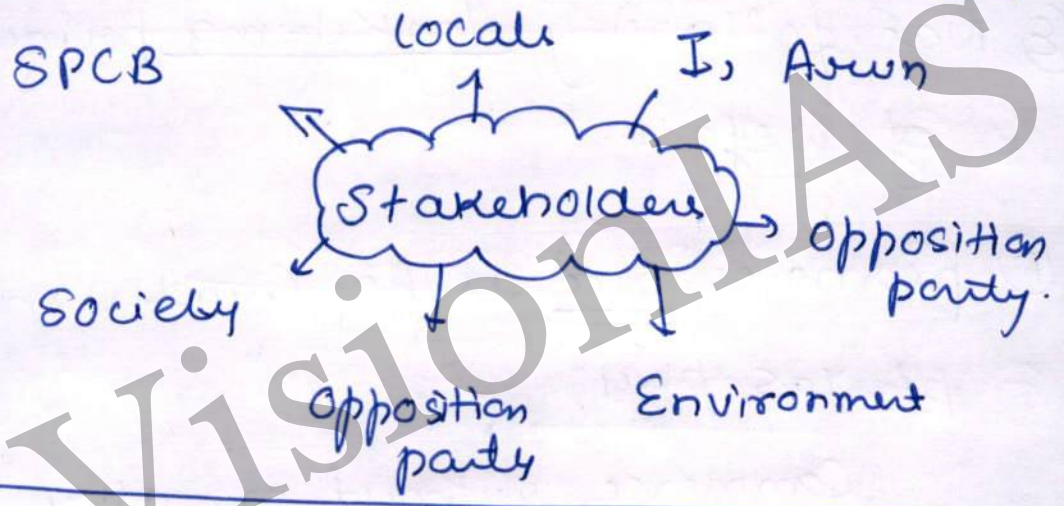

Ans a) Ethical issue due to nexus between political, corporate and bureaucratic interest.

(I) against social Contract theory that calls for public welfare.

(II) Breeds "Corruption" and thus

VisionIAS

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

culture of impunity.

(C) **Crony Capitalism**: due to lack of compassion towards down-trodden society.

(D) Against **Ethical Altruism** which calls for ethical welfare.

(E) Not following Yogkshema principle of welfare.

(F) promotes 'sin' as per Gandhian philosophy
Commerce without morality
politics without principle.

Ans. (2) options available to Arun,

(I) Ignore the call of opposition party as it may be frivolous due to vested interest.

VisionIAS

(II) follow what opposition party says as it would be in line of sustainable development and break unholy nexus.

(III) Step based approach

form a committee to check veracity of facts provided by opposition leader

↓

form a report based on it if different facts are found

Send it to ruling party

Sent it to Chairperson of SPCB

persuade them to conduct EIA again

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

whistle blowing as last option.

Reason

① As a ethical person, Arun can't maintain status quo and do nothing,

② It will ensure that there is no "Crisis of conscience"

③ Ensures win-win for all stakeholders

④ Ensure environmental ethics

⑤ set example to deal with unholy nexus.

⑥ Ensures virtue-based ethics

As Roosevelt said, "The best thing to do at worst time is doing right thing but worst thing is to do nothing".

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS